

प्रेषक,

प्रदीप सिंह रावत,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा मे,

मुख्य अभियन्ता स्तर-1,
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 05 अगस्त, 2010

विषय:- जनपद देहरादून में राजभवन हेतु गैराज एवं पी0ए0सी0 बैरक का निर्माण।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य अभियन्ता ग0क्षे0, लो0नि0वि0 पौड़ी के पत्र सं0:- कैम्प-1/ देहरादून दिनांक 06 मई, 2010 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मुख्य अभियन्ता ग0क्षे0, लो0नि0वि0, पौड़ी द्वारा जनपद देहरादून में राजभवन हेतु गैराज एवं पी0ए0सी0 बैरक के निर्माण हेतु उपलब्ध कराये गये आगणन, जिसकी लागत 33.61 लाख है, पर टी0ए0सी0 वित्त द्वारा परीक्षणोंपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गई रू0 28.01 लाख (रूपये अठठाईस लाख एक हजार मात्र) की लागत की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए रू0 5.00 लाख (रू0 पाँच लाख मात्र) की धनराशि को वित्तीय वर्ष 2010-11 में व्यय किये जाने की, श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों के अधीन, सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:

- 2- स्वीकृत किये जाने वाले उक्त कार्य में उत्तराखण्ड प्रोक्योरमेन्ट रूल्स-2008 एवं उक्त के विषय में समय-समय पर निर्गत समस्त दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।
- 3- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शैड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- 4- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- 5- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना की स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 6- एकमुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 7- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्ट्यों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 8- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं0:- 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30-05-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- 9- कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्यक करा लिया जाए तथा प्रदत्त निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।

प्रदीप सिंह

L

- 10- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है व्यय उसी मद में किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 11- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- 12- कार्य कराने से पूर्व विभाग द्वारा कार्यदायी संस्था के साथ एम0ओ0यू0 गठित कर लिया जाय, जिसमें **defect liability clause** का प्राविधान भी सुनिश्चित कर लिया जाय।
- 13- स्वीकृत किये जा रहे कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता का सम्पूर्ण दायित्व संबंधित अधिशासी अभियन्ता का होगा।
- 14- भविष्य में यदि प्राकलन का पुनरीक्षण किया जाता है तो अतिरिक्त पुनरीक्षित लागत पर कोई सन्टेज देय नहीं होगा।
- 15- इस संबंध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक में लोक निर्माण विभाग के अनुदान सं0-22 -लेखाधीन-4059 लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-80 सामान्य-800 अन्य भवन-09 लोक निर्माण- नये कार्य-24 वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 16- यह आदेश वित्त अनुभाग-2 के अशासकीय संख्या- 276/XXVII/(2)/2010 दिनांक: 03 अगस्त, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- संलग्नक:- यथोपरि।

भवदीय,

(प्रदीप सिंह रावत)
उप सचिव

संख्या:- 3759 (1)/111(2)/10-04(प्र0आ0)/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित :-

- 1- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 2- सचिव श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
- 3- महालेखाकार (लेखा प्रथम), ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
- 4- जिलाधिकारी/ कोषाधिकारी जनपद देहरादून।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, जनपद देहरादून।
- 6- मुख्य अभियन्ता, ग0क्षे0, लो.नि.वि. पौड़ी।
- 7- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 8- वित्त आयोग/वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन।
- 9- अधीक्षण अभियन्ता, नवम् वृत्त, लो0नि0वि0 देहरादून।
- 10- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, देहरादून।
- 11- लोक निर्माण अनुभाग-1/3 उत्तराखण्ड शासन।
- 12- गार्ड बुक।

आज्ञा से,

प्रदीप

(महिमा)

अनु सचिव